Delhi Police-Platinum Jubilee

Delhi Police traces its roots to the institution of its first 'Kotwal' – Malik-ul-Umara Faqruddin appointed in 1237 AD. The aftermath of India's first war for freedom in 1857 saw the then ruling Britishers frame the Indian Police Act of 1861 to firmly establish a colonial police establishment in Delhi.

With the shifting of colonial India's capital from Kolkata to Delhi in 1912, the first Chief Commissioner of Delhi was appointed; vested with the powers and functions of an Inspector General of Police.

The events to the run-up of independence saw a major re-organization in 1946 when the strength of Delhi Police was almost doubled. The independence of India brought with it the tragic partition and a massive influx of refugees. On February 16, 1948, the first Inspector General of Police was appointed for Delhi.

As the national capital grew, so did its administrative complexities. In 1966, the Government of India constituted the Delhi Police Commission. Based upon its recommendations, from July 1, 1978, the Commissionerate System came into force by way of a Parliamentary Statute. Shri J.N. Chaturvedi became the first Commissioner of Police, Delhi.

As the Delhi Police enters its Platinum Jubilee year, its footprints are visible in 02 Police Zones, 6 Police Ranges and 15 Police Districts mapping every square inch of Delhi. With a strength of over 80,000 personnel, it is perhaps the largest metropolitan police in the world; larger than that of London, Paris, New York or Tokyo.

Delhi Police today is a premier police organization which has the reputation of performing exceptionally under the most adverse circumstances. Be it handling of massive law and order issues in the National Capital or providing security to the national and international dignitaries or carrying out investigations of complex and sensitive crimes, Delhi Police has always laid down the golden standards for all other police forces of the country to emulate.

The global Covid-19 pandemic saw Delhi Police emerging as the frontline organization for rendering humanitarian help and containing the virus spread while causing minimum inconvenience to the residents of Delhi. The new imperatives of Covid-19 brought in a significant increase in the workload and risk vulnerability for the police force. However, Delhi Police rose to the challenge and its exceptional service delivery earned it the sobriquet – 'Dil ki Police'. The Hon'ble Prime Minister of India applauded Delhi Police in his 'Mann Ki Baat' broadcast to the people of India.

It was a proud moment for Delhi Police when Late Inspector Mohan Chand Sharma, a gallant officer, was awarded 'Ashok Chakra' – India's highest peace time decoration for sacrificing his life at the altar of duty. Delhi Police holds the record for maximum victories for best marching contingent at the prestigious Republic Day parades at Rajpath and has also produced a number of national and international level sporting champions.

Delhi Police is the lead partner with almost every Central Police Organization in developing blueprints which aspire at creating modern and sensitive police organizations across the country. It is the national champion in the implementation of CCTNS, the biggest and most-significant pan-India police application since independence.

This year, on February 16, 2022, on the occasion of its 75th Raising Day, Delhi Police is commencing its 'Platinum Jubilee' celebrations. It remains committed to its motto of 'Shanti-Seva-Nyaya' i.e. Peace, Service and Justice.

Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on the Platinum Jubilee of Delhi Police and appreciates its professional and humanitarian approach in providing safety and security to people.

Credits:

Stamp	:	Sh. Paresh Maity
FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Smt. Nenu Gupta
Text	:	Based on information received from the proponent

डाक विभाग
Department of Posts

दिल्ली पुलिस - प्लैटिनम जयंती
Delhi Police - Platinum Jubilee
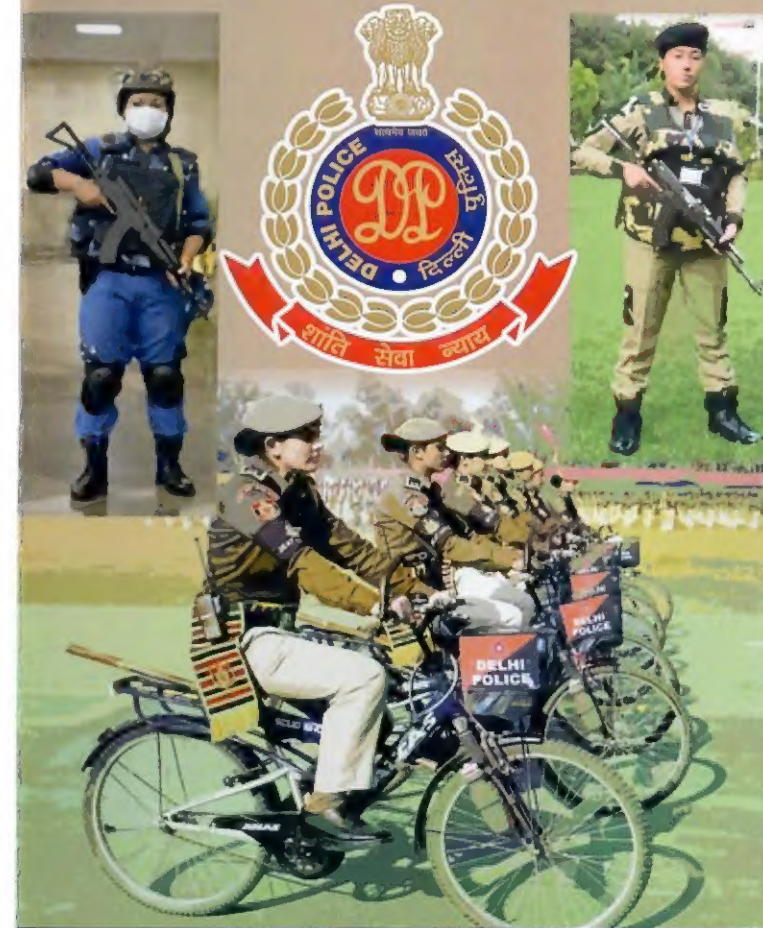
विवरणिका BROCHURE

दिल्ली पुलिस-प्लैटिनम जयंती

दिल्ली पुलिस की पहचान इसके पहले 'कोतवाल'–मलिक–उल–उमराफकरुद्दीन से है, जिन्हें 1237 ई. में दिल्ली का कोतवाल नियुक्त किया गया था। 1857 में भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के पश्चात तत्कालीन अंग्रेजी शासकों ने भारतीय पुलिस अधिनियम, 1861 की रूपरेखा तैयार की ताकि दिल्ली में एक औपनिवेशिक पुलिस प्रतिष्ठान को स्थापित किया जा सके।

1912 में औपनिवेशिक भारत की राजधानी को कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित करने के साथ, दिल्ली के पहले मुख्य आयुक्त की नियुक्ति की गई,जिन्हें पुलिस महानिरीक्षक की शक्तियां और कार्य सौंपे गए।

स्वतंत्रता से पहले की महत्वपूर्ण घटनाओं को देखते हुए 1946 में दिल्ली पुलिस का महत्वपूर्ण पुनर्गठन किया गया, जसके फलस्वरूप दिल्ली पुलिस की संख्या लगभग दोगुनी हो गई। भारत स्वतंत्र हुआ और इसी के साथ देश का दुखद विभाजन हुआ और बड़ी संख्या में शरणार्थी आ गए। 16 फरवरी, 1948 को दिल्ली के प्रथम पुलिस महानिरीक्षक की नियुक्ति की गई।

जैसे–जैसे राष्ट्रीय राजधानी का विस्तार होता गया, वैसे–वैसे इसकी प्रशासनिक जटिलताएं भी बढ़ती गईं। भारत सरकार ने 1966 में दिल्ली पुलिस आयोग का गठन किया। इसकी संस्तुतियों के आधार पर, संसदीय कानून के माध्यम से दिल्ली में 1 जुलाई, 1978 से कमिश्नरी प्रणाली लागू हुई। श्री जे. एन. चतुर्वेदी दिल्ली के प्रथम पुलिस आयुक्त बने।

दिल्ली पुलिस जैसा कि अपना प्लैटिनम जयंती वर्ष मनाने जा रही है, यह 02 पुलिस जोन, 6 पुलिस रेंज और 15 पुलिस जिलों के माध्यम से दिल्ली के हर क्षेत्र को शामिल करते हुए कार्य कर रही है। आज दिल्ली पुलिस में 80,000 से अधिक पुलिस कर्मी हैं और दिल्ली पुलिस शायद विश्व की सबसे बड़ी महानगरीय पुलिस है जो लंदन, पेरिस, न्यूयॉर्क अथवा टोक्यो से भी बड़ी है।

दिल्ली पुलिस आज एक प्रमुख पुलिस संगठन है, जिसे अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों में भी असाधारण प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता है। चाहे वह राष्ट्रीय राजधानी में बड़े पैमाने पर कानून और व्यवस्था के मुद्दों को संभालना हो अथवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करना हो अथवा जटिल और संवेदनशील अपराधों की जांच करना हो। दिल्ली पुलिस ने हमेशा ऐसे बहुमूल्य मानक निर्धारित किए हैं जो देश के अन्य सभी पुलिस बलों के लिए अनुकरणीय हैं।

वैश्विक कोविड–19 महामारी के दौरान, दिल्ली पुलिस मानवीय सहायता प्रदान करने और कोविड–19 महामारी के फैलाव को नियंत्रित करने में अग्रणी संगठन के रूप में उभरकर सामने आया। इन कार्यों के लिए दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के निवासियों को कम से कम असुविधा होने दी। कोविड–19 महामारी की नई अनिवार्यताओं से पुलिस बल के कार्यभार और जोखिम ग्रहणशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। फिर भी, दिल्ली पुलिस ने इस चुनौती का बहादुरी से सामना किया और असाधारण रूप से सेवा प्रदान करने की इनकी भावना ने इनके –'दिल की पुलिस' के उपनाम को सार्थक किया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने भारत के लोगों को संबोधित अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस की सराहना की।

दिल्ली पुलिस के लिए यह गर्व का पल था जब अपने कर्तव्य का पालन करने हेतु दिल्ली पुलिस के शूरवीर अधिकारी स्वर्गीय इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा ने अपने जीवन का बलिदान कर दिया जिसके लिए उन्हें भारत के सर्वोच्च शांतिकाल अलंकरण 'अशोकचक्र' से सम्मानित किया गया। दिल्ली पुलिस का राजपथ पर प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस परेड में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दस्ते के रूप में सर्वाधिक बार जीत हासिल करने का रिकॉर्ड है। दिल्ली पुलिस ने इसके अतिरिक्त कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल चैंपियन भी तैयार किए हैं।

दिल्ली पुलिस, देश भर में आधुनिक और संवेदनशील पुलिस संगठन बनाने की महत्वाकांक्षा रखने वाले लगभग हर केंद्रीय पुलिस संगठन के साथ ब्लूप्रिंट विकसित करने में अग्रणी भागीदार है। दिल्ली पुलिस सीसीटीएनएस के क्रियान्वयन में राष्ट्रीय चैंपियन है जो स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण अखिल भारतीय पुलिस एप्लीकेशन है।

16 फरवरी, 2022 को दिल्ली पुलिस, अपने 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर, 'प्लैटिनम जयंती' समारोह का शुभारंभ कर रहा है। यह 'शांति–सेवा–न्याय' के अपने आदर्श वाक्य के प्रति वचनबद्ध है।

डाक विभाग, दिल्ली पुलिस की प्लैटिनम जयंती के अवसर पर स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है और लोगों को हिफाजत एवं सुरक्षा प्रदान करने में इसके पेशेवर और मानवीय दृष्टिकोण की प्रशंसा करता है।

आभार :

डाक टिकट	:	श्री परेश मैती
प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका / विरूपण कैशे	:	श्रीमती नीनू गुप्ता
पाठ	:	प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री से संदर्भित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसे
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक–टिकटें	:	500000
Stamps Printed	:	500000
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य ₹ 5.00